ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

माइंडमैप

भारत का भूगोल

UPSC एवं PSC प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु

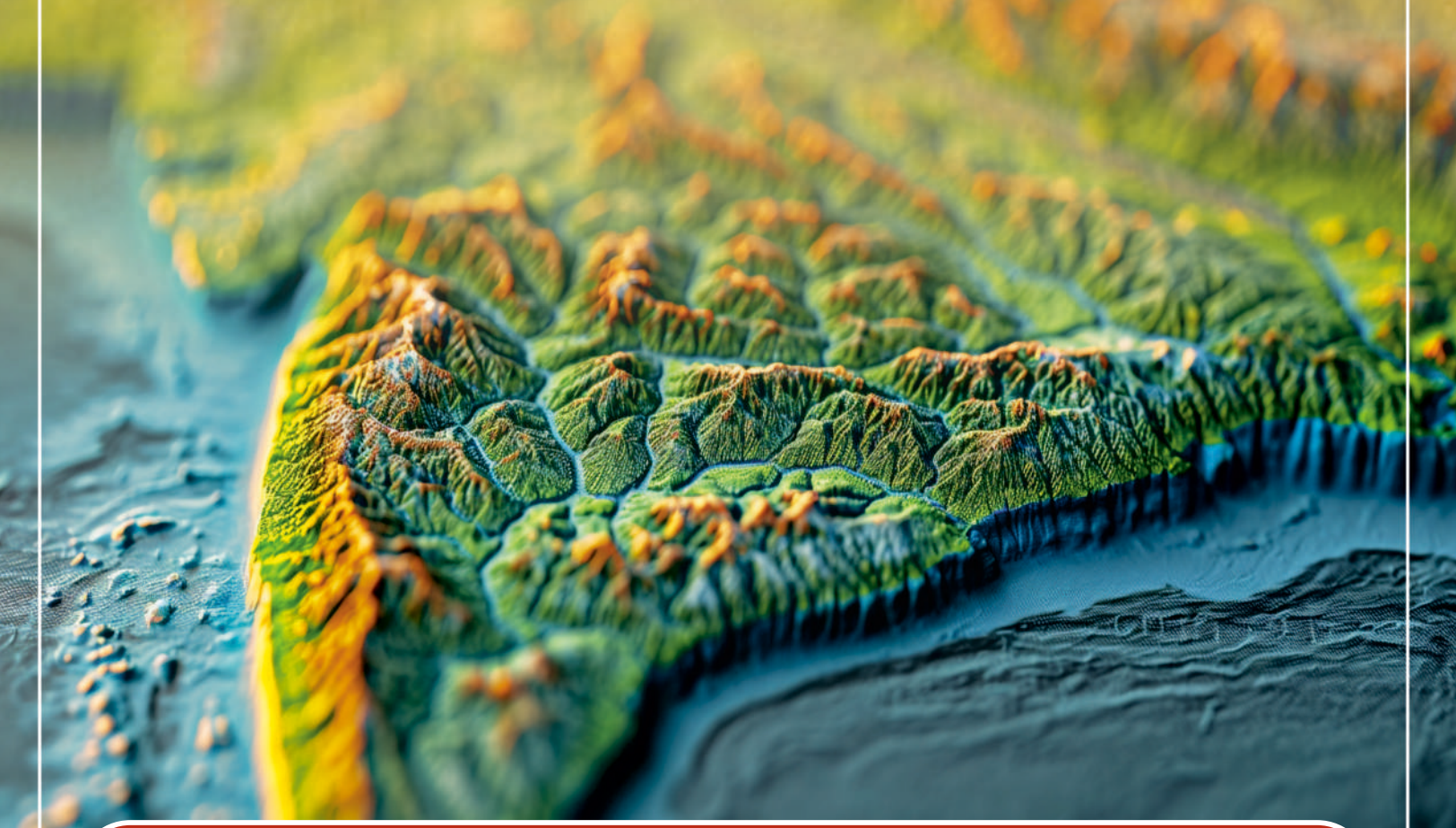

महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं की चित्रात्मक प्रस्तुति

विषय-सूची

1. भारत और उसके पड़ोसी देश 1

2. भारत का भू-वैज्ञानिक विभाजन 3

3. उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी पर्वतमाला 6

4. उत्तरी मैदान 15

5. प्रायद्वीपीय पठार 19

6. भारतीय मरुस्थल 26

7. तटीय मैदान 28

8. द्वीप समूह 31

9. भारतीय अपवाह प्रणाली का वर्गीकरण 35

10. सिंधु नदी तंत्र 39

11. गंगा नदी तंत्र 43

12. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र 46

13. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र 49

14. भारत की जलवायु को निर्धारित करने वाले कारक 54

15. शीत ऋतु में मौसम की क्रियाविधि.....57

16. ग्रीष्म ऋतु में मौसम की क्रियाविधि.....58

17. भारतीय मानसून की प्रकृति.....59

18. शीत ऋतु.....61

19. ग्रीष्म ऋतु.....63

20. दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु.....65

21. मानसून का निवर्तन.....68

22. वर्षा का वितरण.....71

23. वनों के प्रकार.....72

24. भारत में वन क्षेत्र या वनावरण.....76

25. भारत में जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र.....80

26. मृदा का वर्गीकरण.....83

भारत और उसके पड़ोसी देश

उत्तरी गोलार्द्ध में अवस्थित है

भौगोलिक विस्तार

पूरब से पश्चिम
अरुणाचल प्रदेश से गुजरात
2,933 किमी

उत्तर से दक्षिण
लद्दाख से कन्याकुमारी
3,214 किमी

अक्षांशीय और देशांतरीय विस्तार

अक्षांश - 8° 4'N और 37° 6'N

देशांतर - 68° 7'E और 97° 25'E

दूरी की असमानता का कारण

✓ **देशांतर :** ध्रुवों की ओर दूरी कम हो जाती है।

✓ **अक्षांश :** दूरी समान रहती है।

भौतिक विविधता

उत्तर : उच्च हिमालय और नदियाँ (जैसे- गंगा, ब्रह्मपुत्र)

दक्षिण : प्रायद्वीपीय पठार और तटीय मैदान।

पश्चिम : थार मरुस्थल।

पूर्व: हरित पहाड़ियाँ (पूर्वोत्तर)।

भारतीय उप-महाद्वीप → इसमें भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव शामिल हैं।

हिमालय

- मध्य और पूर्वी एशिया के लिए एक **भौतिक अवरोध** के रूप में कार्य करता है।
- **जलवायु, अपवाह** प्रणाली और **सांस्कृतिक विभाजक** के रूप में कार्य करता है।
- उप-महाद्वीप की विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान में योगदान देता है।

उष्णकटिबंधीय या समशीतोष्ण प्रदेश

कर्क रेखा (23.5° उत्तर) आठ राज्यों से होकर गुजरती है → गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम।

कर्क रेखा भारत को दो भागों में विभाजित करती है।

- उष्णकटिबंधीय क्षेत्र (दक्षिण)
- शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र (उत्तर) उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से दुगुना।

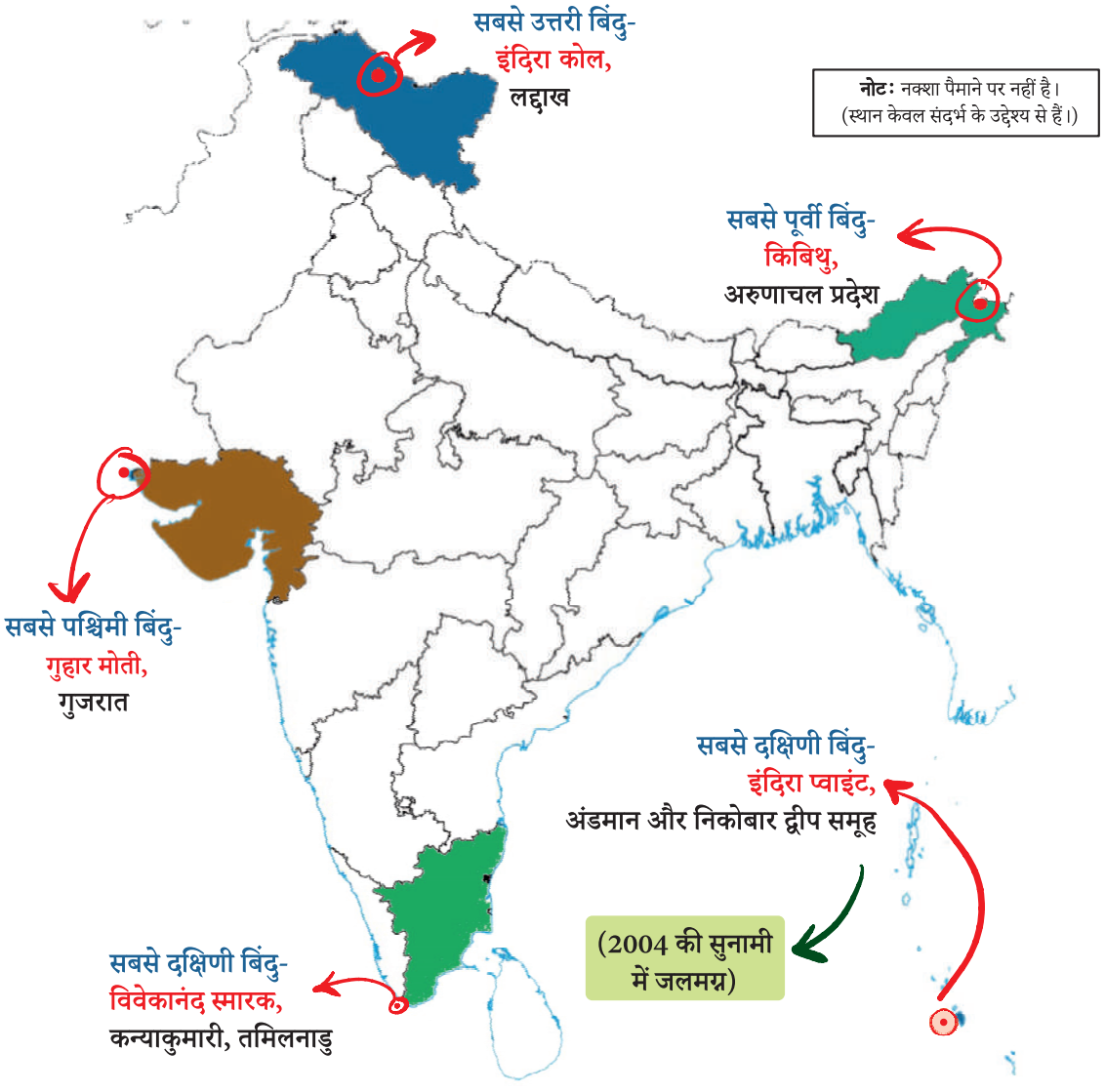

भारत की पड़ोसी देशों के साथ स्थलीय सीमा

भारत की सीमा कुल सात देशों को स्पर्श करती है

- **सबसे अधिक :** बांग्लादेश (4,096.7 किमी)।
- **सबसे कम :** अफगानिस्तान (~106 किमी)।

देशों के नाम	लंबाई (किमी. में)	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र, जिनसे सीमा स्पर्श करती है
बांग्लादेश	4,096.7	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
चीन	3,488	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
पाकिस्तान	3,323	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख
नेपाल	1,751	उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
म्याँमार	1,643	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम
भूटान	699	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
अफग़ानिस्तान	106	लद्दाख

भारत का भू-वैज्ञानिक विभाजन

→ भू-वैज्ञानिक संरचना और गठन में भिन्नता के आधार पर

प्रायद्वीपीय पठार

उत्तरी सीमा → कच्छ से लेकर अरावली के साथ-साथ यमुना और गंगा के समानांतर राजमहल पहाड़ियों एवं गंगा डेल्टा तक विस्तृत है।

पूर्व-पश्चिम विस्तार → पश्चिम में राजस्थान **एवं** उत्तर पूर्व में कार्बी आंगलॉन्ग और मेघालय पठार

मालदा भ्रंश उत्तरपूर्वी भागों को छोटानागपुर पठार से पृथक करता है।

संघटन → नीस और ग्रेनाइट से निर्मित।

स्थिरता → कैंब्रियन काल के बाद से कठोर ब्लॉक

अपवाद → निमग्न पश्चिमी तट।

ब्लॉक भ्रंशन जैसे विवर्तनिक परिवर्तन
(उदाहरण- नर्मदा, तापी, महानदी भ्रंश घाटियाँ, सतपुड़ा ब्लॉक पर्वत)।

मुख्य विशेषताएँ

- अवशिष्ट या अनाच्छादन पर्वत → (अरावली, नल्लामाला, जवादी, वेलिकोंडा, पालकोंडा और महेंद्रगिरि पहाड़ियाँ।)
- निम्न ढाल वाली उथली नदी घाटियाँ।
- पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करने से पूर्व डेल्टा का निर्माण करती हैं।

(**जैसे**- महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी)

नोट : नक्शा पैमाने पर नहीं है।
(स्थान केवल संदर्भ के उद्देश्य से हैं।)

हिमालय

विशेषताएँ → नवीन, वलित पर्वत, कमज़ोर/दुर्बल और भूगर्भीय रूप से लचीला।

→ अभी भी बहिर्जात और अंतर्जात शक्तियों से प्रभावित है, जिससे भ्रंशों, वलनों तथा भ्रस्ट मैदानों का निर्माण होता है।

→ विवर्तनिकी उत्पत्ति, तेजी से बहने वाली नदियों द्वारा विच्छेदित।

भू-आकृतियाँ → गॉर्ज, V-आकार की घाटियाँ, तीव्र प्रवाह वाली नदियाँ और झरने।

सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान

निर्माण → हिमालय निर्माण के तीसरे चरण के दौरान एक भू- अभिनति (भू-सिंक्लिनल) अवसाद के रूप में उत्पन्न हुआ।

(~64 मिलियन वर्ष पूर्व)

→ धीरे-धीरे हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों के द्वारा बहाकर लाए गए अवसादों से युक्त।

विशेषताएँ → **जलोढ़ निक्षेप** : गहराई 1,000-2,000 मीटर के बीच होती है।

→ भारत के भूगोल और उच्चावच को प्रभावित करने वाली महत्त्वपूर्ण भूवैज्ञानिक विविधता का प्रतिनिधित्व करता है।

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

भारत का भू-आकृतिक विभाजन

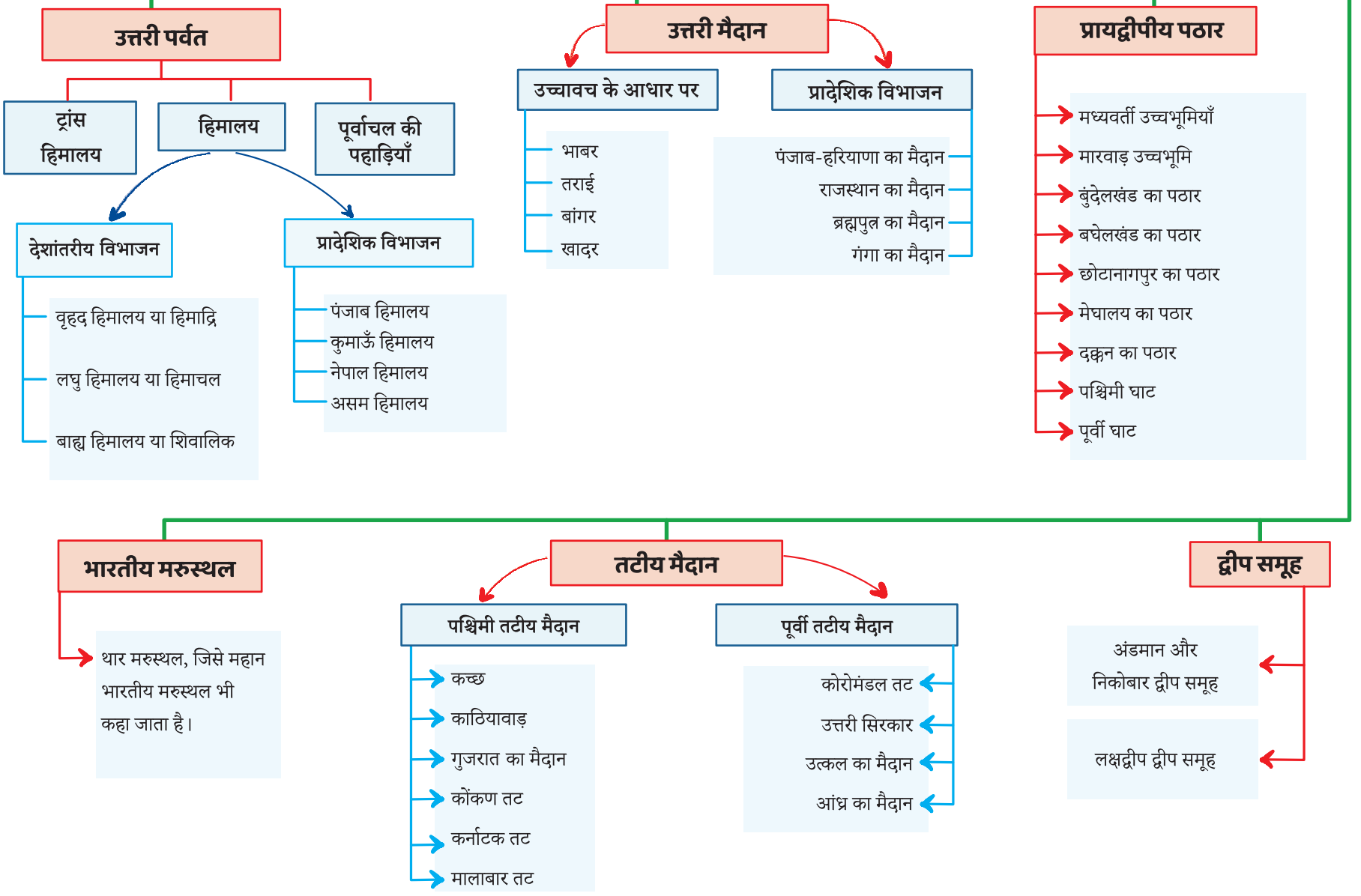

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी पर्वतमाला

वर्गीकरण

- ट्रांस-हिमालय
- वृहद हिमालय (हिमाद्रि)
- लघु हिमालय (मध्य हिमालय)
- शिवालिक (बाह्य हिमालय)
- पूर्वी पहाड़ियाँ (पूर्वांचल)

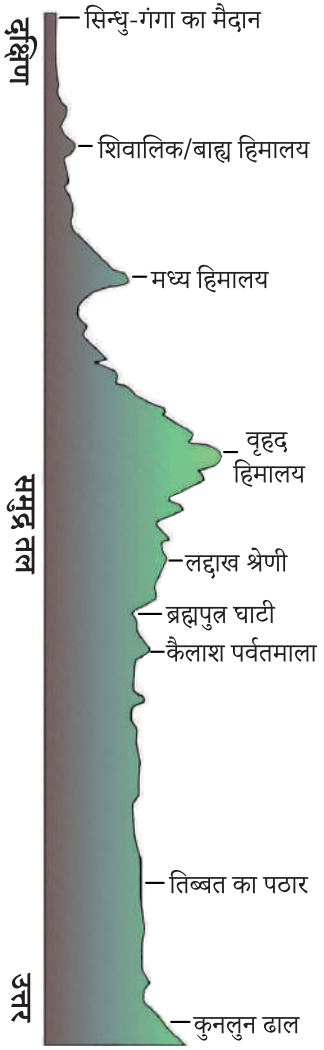

हिमालय की तीन समानांतर श्रेणियाँ → तिब्बत और गंगा के मैदान के मध्य अवस्थित हैं।

- विभिन्न चौड़ाई के साथ 2,400 किमी. की दूरी तय करते हुए यह चाप आकार में विस्तारित है-
  - कश्मीर में 400 किमी.
  - अरुणाचल प्रदेश में 150 किमी.
- तीनों श्रेणियाँ उत्तल रूप से दक्षिण की ओर मुड़ती हैं।

ढाल और स्थलाकृति

- वलन असममित होते हैं, घाटियाँ अभिनति के रूप में और पहाड़ियाँ अपनति या एंटी-सिंक्लाइन के रूप में होती हैं।
- दक्षिणी ढलानें खड़ी और उत्तरी ढलानें सामान्य होती हैं, जो हॉगबैक (ढालयुक्त पर्वत शृंखला) स्थलाकृति का निर्माण करती है।

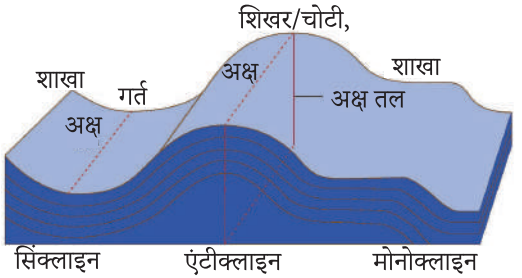

हिमालय के विभिन्न भागों में अभिविन्यास

भारत का उत्तर-पश्चिमी भाग : उत्तर-पश्चिम - दक्षिण-पूर्व
दार्जिलिंग और सिक्किम : पूर्व-पश्चिम
अरुणाचल प्रदेश : दक्षिण-पश्चिम - उत्तर-पूर्व
नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम : उत्तर-दक्षिण

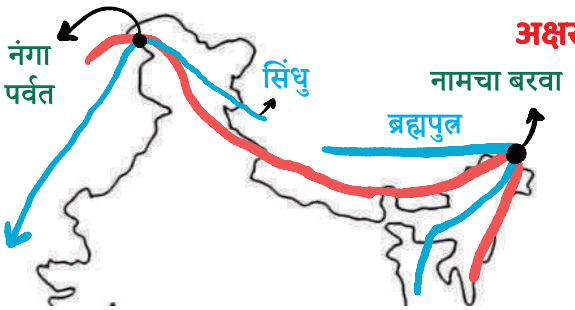

अक्षसंघीय मोड़ या सिंटेक्सियल बैंड

पश्चिमी मोड़ : सिंधु घाटी में नंगा पर्वत (ज़ांस्कर श्रेणी) के पास → सिंधु घाटी पर

पूर्वी मोड़ : ब्रह्मपुत्र घाटी में नामचा बरवा के पास → ब्रह्मपुत्र घाटी में

ट्रांस हिमालय

- वृहद हिमालय पर्वतमाला के ठीक उत्तर में अवस्थित, मुख्यतः **तिब्बत** में
- **औसत ऊँचाई :** समुद्र तल से 3,000 मीटर ऊपर।
- पूर्व-पश्चिम में 1,000 किलोमीटर तक विस्तृत है, मुख्यतः पश्चिमी हिमालय में (लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश)
- **औसत चौड़ाई:** दोनों किनारों पर 40 किमी, मध्य भाग में 225 किमी तक चौड़ी है।

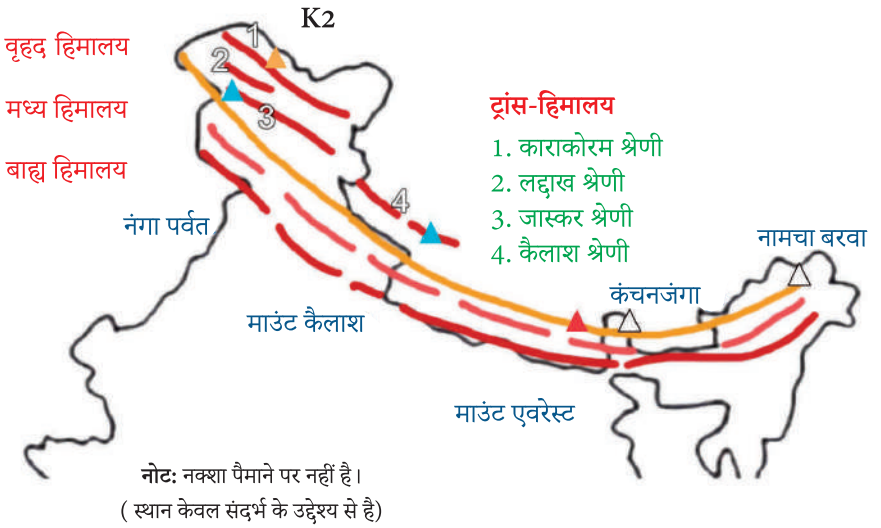

नोट: नक्शा पैमाने पर नहीं है।
(स्थान केवल संदर्भ के उद्देश्य से है)

काराकोरम श्रेणी

- लद्दाख पठार उत्तर पूर्व में स्थित है।
- भारत में सबसे उत्तरी ट्रांस-हिमालयी पर्वत शृंखला।
- अक्साई चिन, लिंग्ज़ी तांग, देपसांग मैदान और चांग चेनमो जैसे मैदान।
- पामीर (पाकिस्तान) से पूर्व की ओर 800 किमी तक विस्तृत है।
- K2 (8611 मीटर) समेत उच्च चोटियों के लिए जाना जाता है।

जास्कर श्रेणी

- लद्दाख श्रेणी के दक्षिण में।
- औसत ऊँचाई: 6,000 मीटर।
- नंगा पर्वत (8126 मीटर) इसमें अवस्थित है।

लद्दाख श्रेणी

- काराकोरम के दक्षिण में और ज़ांस्कर पर्वतमाला के उत्तर में।
- कुछ चोटियाँ 6,000 मीटर से अधिक ऊँची हैं।
- यह जास्कर श्रेणी के समानांतर विस्तृत है।

कैलाश श्रेणी

- सिंधु नदी मानसरोवर झील के पास कैलाश के दक्षिणी ढलानों से निकलती है।
- पश्चिमी तिब्बत में लद्दाख श्रेणी की शाखा।
- कैलाश पर्वत (6,714 मीटर) सबसे ऊँची चोटी है।

वृहद हिमालय

आंतरिक हिमालय, मध्य हिमालय या हिमाद्रि।

विस्तार → 2,500 किमी तक विस्तृत है:-

नंगा पर्वत (उत्तर पश्चिम) → नामचा बरवा (उत्तर-पूर्व)

चौड़ाई

160-400 किमी के बीच बदलती रहती है।

ऊँचाई → समुद्र तल से औसत ऊँचाई 6,000 मीटर

संघटन →

- मुख्य रूप से केंद्रीय क्रिस्टलीय पदार्थों से निर्मित है: ग्रेनाइट और नीस।
- चूना पत्थर जैसी कायांतरित चट्टानों या अवसादों से ढका हुआ।

प्रमुख चोटियाँ →

- **भारत :** कामेत और नंदा देवी (उत्तराखंड), कंचनजंगा (सिक्किम)।
- **नेपाल :** अन्नपूर्णा, धौलागिरि, माउंट एवरेस्ट।

ढाल

दक्षिण : अधिक तीव्र

उत्तर : अधिक मंद

असममित वलन हॉगबैक स्थलाकृति बनाते हैं।

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

लघु हिमालय → मध्य हिमालय/हिमाचल हिमालय

अवस्थिति → वृहद हिमालय (उत्तर) और शिवालिक (दक्षिण) के बीच, दोनों के समानांतर है।

विस्तार →
- **चौड़ाई :** 50 किमी.
- **लंबाई :** ~2400 किमी.
- **ऊँचाई :** 3,500-4,500 मीटर
  - कुछ चोटियाँ > 5,050 मीटर
  - वर्ष भर बर्फ से ढकी रहती हैं।

ढाल
- **उत्तरी ढाल :** मंद और वनाच्छादित।
- **दक्षिणी ढाल :** खड़ा और बंजर (सीमित मृदा निर्माण)।

सुगम्यता → मानव अधिवासों हेतु अधिक सुलभ
- शिमला, मसूरी, नैनीताल, दार्जिलिंग जैसे कई पर्यटन स्थल।

घाटियाँ
कश्मीर, कांगड़ा, कुल्लू, काठमांडू और पोखरा जैसी प्रमुख घाटियाँ।

पीर पंजाल श्रेणी
- ✓लघु हिमालय में सबसे बड़ी पर्वत शृंखला।
- ✓झेलम नदी (कश्मीर) से ऊपरी ब्यास नदी (मनाली के निकट) तक विस्तारित।
- ✓किशनगंगा, झेलम तथा चिनाब नदियों द्वारा कटाव।
- ✓चोटियाँ 5,000 मीटर तक ऊँचीं हैं।

धौलाधर श्रेणी
- ✓रावी नदी के दक्षिण-पूर्व, पीर पंजाल श्रेणी के निरंतर।
- ✓डलहौजी और धर्मशाला से होकर गुजरती है।
- ✓हनुमान टिब्बा (मनाली के निकट) पर समाप्त होती है।

अन्य प्रमुख श्रेणियाँ
- **उत्तराखंड →** मसूरी, नाग टिब्बा श्रेणियाँ
- **नेपाल →** महाभारत श्रेणी
- **अरुणाचल प्रदेश →** डफला, मिजो, अबोर और मिशमी

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

अन्य पुस्तकें एवं कार्यक्रम

उड़ान
(प्रिलिम्स स्टैटिक रिवीज़न)

उड़ान 500 प्लस
(प्रिलिम्स समसामयिकी रिवीज़न)

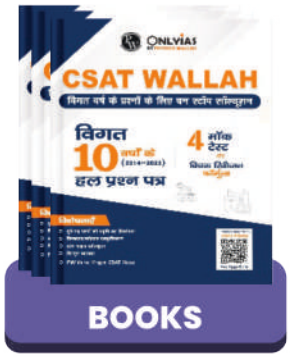

सामान्य अध्ययन +
CSAT PYQs

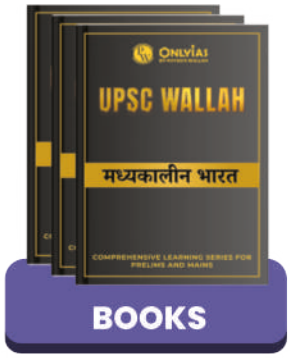

UPSC Wallah Books

प्रिलिम्स वाला प्रश्नोत्तर संग्रह

मासिक समसामयिकी

मासिक संपादकीय संकलन

क्विक रिवीज़न बुकलेट

IDMP ईयर लॉन्ग टेस्ट

35+ प्रिलिम्स टेस्ट

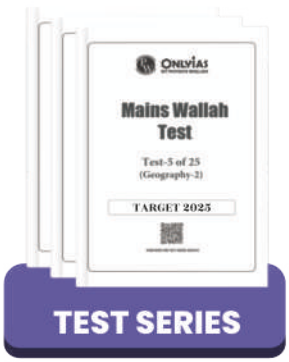

25+ मेन्स टेस्ट

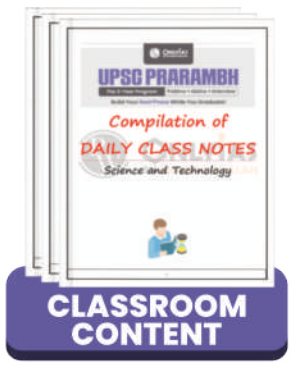

डेली क्लास नोट्स और
अभ्यास प्रश्न

All Content Available in Hindi and English

Karol Bagh, Mukherjee Nagar, Prayagraj, Lucknow, Patna, Indore & Jaipur

₹ 289/-
ISBN 978-93-6897-090-3
548a0c8a-9a97-4e4f-9b04-2e35a832c87d